वाणिज्य - लेखा

विषय विशेष पाठ्यक्रम में एनसीईआरटी/सीबीएसई पाठ्यक्रम और पाठ्य पुस्तकों की अवधारणाएँ शामिल हैं।

व्यवसाय की नींव

अर्थ और विशेषताएँ

व्यवसाय का विकास और बुनियादी सिद्धांत

भारत में व्यापार और वाणिज्य का इतिहास: स्वदेशी बैंकिंग प्रणाली, बिचौलियों का उदय, परिवहन, व्यापारिक समुदाय: व्यापारी निगम, प्रमुख व्यापार केंद्र, प्रमुख आयात और निर्यात, विश्व अर्थव्यवस्था में भारतीय उपमहाद्वीप की स्थिति। व्यवसाय-अर्थ और विशेषताएँ, व्यवसाय-पेशा और रोज़गार-अवधारणा, व्यवसाय के उद्देश्य व्यावसायिक गतिविधियों का वर्गीकरण - उद्योग और वाणिज्य, उद्योग-प्रकार: प्राथमिक, द्वितीयक, तृतीयक अर्थ और उपसमूह, वाणिज्य-व्यापार: (प्रकार-आंतरिक, बाह्य; थोक और खुदरा) और व्यापार के सहायक; (बैंकिंग, बीमा, परिवहन, भंडारण, संचार और विज्ञापन) - अर्थ, व्यावसायिक जोखिम-अवधारणा

व्यावसायिक संगठनों के रूप

एकल स्वामित्व-अवधारणा, गुण और सीमाएँ, भागीदारी-अवधारणा, भागीदारी के प्रकार, गुण और सीमाएँ, भागीदारी फर्म का पंजीकरण, भागीदारी विलेख। भागीदारों के प्रकार। हिंदू अविभाजित पारिवारिक व्यवसाय: अवधारणा। सहकारी समितियाँ-अवधारणा, गुण और सीमाएँ। कंपनी - अवधारणा, गुण और सीमाएँ; प्रकार: निजी, सार्वजनिक और एक व्यक्ति कंपनी - अवधारणा। कंपनी का गठन - चरण, कंपनी के गठन में उपयोग किए जाने वाले महत्वपूर्ण दस्तावेज़। व्यावसायिक संगठन के रूप का चुनाव

सार्वजनिक, निजी और वैश्विक उद्यम

सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र के उद्यम - अवधारणा। सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के रूप: विभागीय उपक्रम, वैधानिक। निगम और सरकारी कंपनी। वैश्विक उद्यम - विशेषता। सार्वजनिक निजी भागीदारी - अवधारणा

व्यावसायिक सेवाएँ

व्यावसायिक सेवाएँ - अर्थ और प्रकार। बैंकिंग: बैंक खातों के प्रकार - बचत, चालू, आवर्ती, सावधि जमा और बहुविकल्पीय जमा खाता। बैंक ड्राफ्ट, बैंक ओवरड्राफ्ट, कैश क्रेडिट के विशेष संदर्भ में बैंकिंग सेवाएँ। ई-बैंकिंग का अर्थ, डिजिटल भुगतान के प्रकार। बीमा - सिद्धांत। प्रकार - जीवन, स्वास्थ्य, अग्नि और समुद्री बीमा - अवधारणा। डाक सेवा-मेल, पंजीकृत डाक, पार्सल, स्पीड पोस्ट, कूरियर-अर्थ

व्यापार के उभरते तरीके

ई-व्यवसाय: अवधारणा, दायरा और लाभ

व्यवसाय की सामाजिक जिम्मेदारी और व्यावसायिक नैतिकता

सामाजिक जिम्मेदारी की अवधारणा। सामाजिक जिम्मेदारी का मामला। मालिकों, निवेशकों, उपभोक्ताओं, कर्मचारियों, सरकार और समुदाय के प्रति जिम्मेदारी। पर्यावरण संरक्षण में व्यवसाय की भूमिका। व्यावसायिक नैतिकता - अवधारणा और तत्व।

वित्त और व्यापार-व्यापार वित्त के स्रोत

व्यापार वित्त की अवधारणा। मालिकों के फंड- इक्विटी शेयर, वरीयता शेयर, प्रतिधारित आय। उधार ली गई निधियाँ: डिबेंचर और बॉन्ड, वित्तीय संस्थान और वाणिज्यिक बैंकों से ऋण, सार्वजनिक जमा, व्यापार ऋण, अंतर कॉर्पोरेट जमा (ICD)।

लघु व्यवसाय और उद्यम

उद्यमिता विकास (ED): अवधारणा, विशेषताएँ और आवश्यकता। उद्यमिता विकास की प्रक्रिया: स्टार्ट-अप इंडिया योजना, स्टार्ट-अप को निधि देने के तरीके। बौद्धिक संपदा अधिकार और उद्यमिता। MSMED अधिनियम 2006 (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम) द्वारा परिभाषित लघु उद्यम। ग्रामीण क्षेत्रों के विशेष संदर्भ में भारत में लघु व्यवसाय की भूमिका। लघु उद्योगों के लिए सरकारी योजनाएँ और एजेंसियाँ: राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (NSIC) और जिला औद्योगिक केंद्र (DIC) ग्रामीण, पिछड़े क्षेत्रों के विशेष संदर्भ में।

आंतरिक व्यापार

आंतरिक व्यापार - थोक विक्रेता और खुदरा विक्रेता द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं का अर्थ और प्रकार। खुदरा व्यापार के प्रकार-भ्रमणशील और छोटे पैमाने की निश्चित दुकानें खुदरा विक्रेता। बड़े पैमाने के खुदरा विक्रेता-विभागीय स्टोर, चेन स्टोर - अवधारणा। जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर): अवधारणा और मुख्य विशेषताएं।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार:

अवधारणा और लाभ। निर्यात व्यापार - अर्थ और प्रक्रिया। आयात व्यापार - अर्थ और प्रक्रिया। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में शामिल दस्तावेज़; इंडेंट, लेटर ऑफ़ क्रेडिट, शिपिंग ऑर्डर, शिपिंग बिल, मेट की रसीद (डीए/डीपी)। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) का अर्थ और उद्देश्य।

प्रबंधन की प्रकृति और महत्व

प्रबंधन - अवधारणा, उद्देश्य और महत्व। विज्ञान, कला और पेशे के रूप में प्रबंधन। प्रबंधन के स्तर। प्रबंधन कार्य-योजना, आयोजन, स्टाफिंग, निर्देशन और नियंत्रण। समन्वय- अवधारणा और महत्व।

प्रबंधन के सिद्धांत

प्रबंधन के सिद्धांत- अवधारणा और महत्व। फेयोल के प्रबंधन के सिद्धांत। टेलर का वैज्ञानिक प्रबंधन- सिद्धांत और तकनीक।

व्यावसायिक वातावरण

व्यावसायिक वातावरण- अवधारणा और महत्व व्यावसायिक वातावरण के आयाम- आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी, राजनीतिक और कानूनी। विमुद्रीकरण - अवधारणा और विशेषताएँ।

योजना

अवधारणा, महत्व और सीमाएँ। योजना प्रक्रिया। एकल उपयोग और स्थायी योजनाएँ। उद्देश्य, रणनीति, नीति, प्रक्रिया, विधि नियम, बजट और कार्यक्रम।

आयोजन

अवधारणा और महत्व। आयोजन प्रक्रिया। संगठन की संरचना- कार्यात्मक और विभागीय अवधारणा। औपचारिक और अनौपचारिक संगठन- अवधारणा। प्रतिनिधिमंडल: अवधारणा, तत्व और महत्व। विकेंद्रीकरण: अवधारणा और महत्व।

स्टाफिंग

स्टाफिंग की अवधारणा और महत्व। मानव संसाधन प्रबंधन अवधारणा के एक भाग के रूप में स्टाफिंग। स्टाफिंग प्रक्रिया। भर्ती प्रक्रिया। चयन - प्रक्रिया। प्रशिक्षण और विकास - अवधारणा और महत्व, प्रशिक्षण के तरीके - नौकरी पर और नौकरी से बाहर - वेस्टिबुल प्रशिक्षण, प्रशिक्षुता प्रशिक्षण और इंटर्नशिप प्रशिक्षण।

निर्देशन

अवधारणा और महत्व। निर्देशन के तत्व। प्रेरणा - अवधारणा, मास्लो की आवश्यकताओं का पदानुक्रम, वित्तीय और गैर-वित्तीय प्रोत्साहन। नेतृत्व - अवधारणा, शैलियाँ - आधिकारिक, लोकतांत्रिक और अहस्तक्षेप। संचार - अवधारणा, औपचारिक और अनौपचारिक संचार; प्रभावी संचार में बाधाएँ, बाधाओं को कैसे दूर करें।

नियंत्रण

नियंत्रण - अवधारणा और महत्व। नियोजन और नियंत्रण के बीच संबंध। नियंत्रण की प्रक्रिया में चरण।

वित्तीय प्रबंधन

वित्तीय प्रबंधन की अवधारणा, भूमिका और उद्देश्य। वित्तीय निर्णय: निवेश, वित्तपोषण और लाभांश- अर्थ और प्रभावित करने वाले कारक। वित्तीय नियोजन - अवधारणा और महत्व। पूंजी संरचना - अवधारणा और पूंजी संरचना को प्रभावित करने वाले कारक। अचल और कार्यशील पूंजी - अवधारणा और उनकी आवश्यकताओं को प्रभावित करने वाले कारक।

वित्तीय बाजार

वित्तीय बाजार: अवधारणा। मुद्रा बाजार: अवधारणा। पूंजी बाजार और इसके प्रकार (प्राथमिक और द्वितीयक)। स्टॉक एक्सचेंज - कार्य और ट्रेडिंग प्रक्रिया। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) - उद्देश्य और कार्य

मार्केटिंग

मार्केटिंग - अवधारणा, कार्य और दर्शन। मार्केटिंग मिक्स - अवधारणा और तत्व। उत्पाद - ब्रांडिंग, लेबलिंग और पैकेजिंग - अवधारणा। मूल्य - अवधारणा, मूल्य निर्धारित करने वाले कारक। भौतिक वितरण - अवधारणा, घटक और वितरण के चैनल। प्रचार - अवधारणा और तत्व; विज्ञापन, व्यक्तिगत बिक्री, बिक्री संवर्धन और जनसंपर्क

उपभोक्ता संरक्षण

उपभोक्ता संरक्षण की अवधारणा और महत्व। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019: उपभोक्ता का अर्थ। उपभोक्ताओं के अधिकार और जिम्मेदारियाँ शिकायत कौन दर्ज कर सकता है? निवारण तंत्र उपलब्ध उपाय। उपभोक्ता जागरूकता - उपभोक्ता संगठनों और गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) की भूमिका